B-2
L-3
Polity

राजव्यवस्था

- राजव्यवस्था में संविधान के व्यवहारिक पक्षों का भी अध्ययन होता है क्योंकि संविधान के संचालन हेतु राजनीतिक दलों की आवश्यकता होती है। इसीलिए संघ एवं राज्यों के बीच संबंधों के निर्धारण में राजनीतिक दलों की निर्णायक भूमिका होती है। संघ सरकार और पश्चिम बंगाल के बीच होने वाले विवाद का मूल कारण दलीय है क्योंकि संघ में बीजेपी की सरकार है, जबकि पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की सरकार है।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

- संविधान सामाजिक व्यवस्था के अनुरूप परिवर्तित होता है और सामाजिक व्यवस्था को परिवर्तित भी करता है और वर्तमान तकनीकी प्रधान युग में उच्चतम न्यायालय के द्वारा जीवन के अधिकार में निजता के अधिकार को भी शामिल कर लिया गया। (पुट्टास्वामी वाद)

- भारत का संविधान एक प्रगतिशील दस्तावेज है, जो समाज को सकारात्मक रूप में परिवर्तित

कर रहा है क्योंकि संविधान के मूल्यों के ही कारण अनुसूचित जाति, जनजाति, महिला तथा पिछड़े वर्गों का उत्थान संभव हुआ है।

- उदारीकरण और निजीकरण का ही परिणाम है कि संविधान में 101 वां संविधान संशोधन किया गया और GST का प्रावधान किया गया।

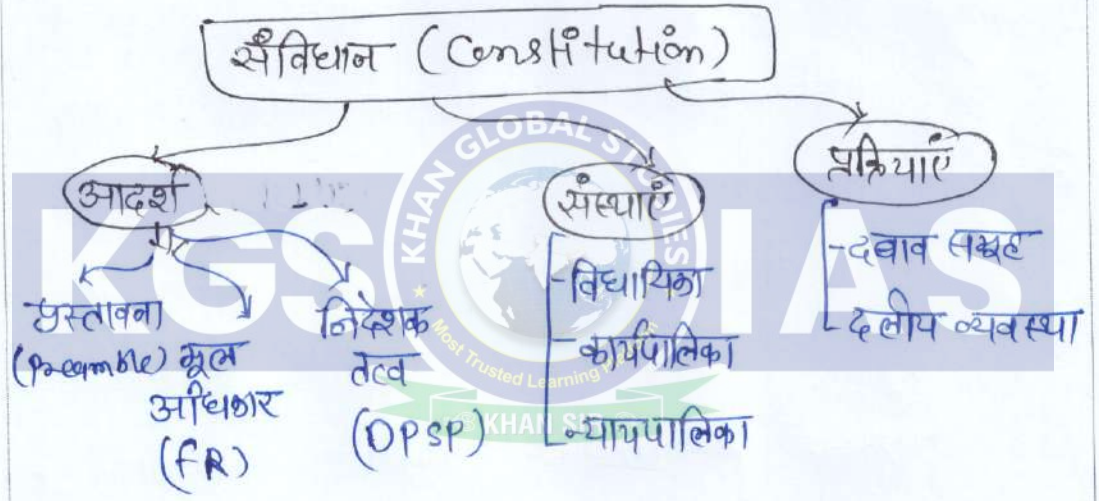

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform

भारत का संविधान

उद्देशिका

हम भारत के लोग, भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए तथा उसके समस्त नागरिकों को:

सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय,
विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म
और उपासना की स्वतंत्रता,
प्रतिष्ठा और अवसर की समता
प्राप्त कराने के लिए,
तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और
राष्ट्र की एकता और अखण्डता
सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए

दृढ़संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई. (मिति मार्गशीर्ष शुक्ला सप्तमी, संवत् दो हजार छः विक्रमी) को एतद्द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Place
KHAN SIR

* प्रस्तावना से संबंधित मुद्दे:-

- क्या "हम भारत के लोगों" से सरकार को कोई शक्ति प्राप्त होती है अथवा शक्ति पर प्रतिबंध अर्पित होता है?
- क्या व्यवहारिक रूप में भारत समाजवादी, लोकतांत्रिक, गणतांत्रिक है?
- क्या प्रस्तावना संविधान की जन्म कुण्डली है?
- प्रस्तावना की उपयोगिता, संविधान की व्याख्या में किस प्रकार है?
- क्या समाजवाद और पंथनिरपेक्षता को संविधान से हटाया जा सकता है?

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR